समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

# संघर्ष से सौर क्रांति तक : किसान परिवार से देशसेवा की मिसाल बने अविनाश साहेबराव ढगे

Sanket Morankar
Published on 08 Jan 2026

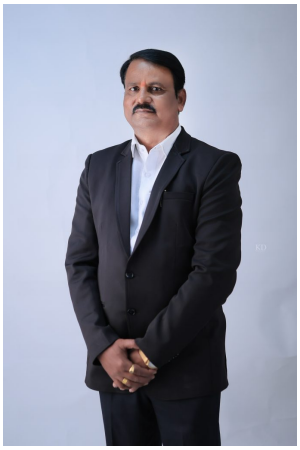

“श्री स्वामी समर्थ” के आशीर्वाद से जीवन यात्रा शुरू करने वाले **अविनाश साहेबराव ढगे** आज न केवल एक सफल उद्यमी हैं, बल्कि सौर ऊर्जा के माध्यम से देशसेवा का उदाहरण भी बन चुके हैं। उनका जन्म धाराशिव जिले के भूम तालुका स्थित चिंचपुर (ढगे) गांव में एक गरीब किसान परिवार में हुआ। वर्ष 1974 में, जब महाराष्ट्र भीषण सूखे से जूझ रहा था, उस समय जन्मे अविनाश ने बचपन से ही संघर्ष, अभाव और मेहनत का अर्थ समझ लिया था।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जिला परिषद शाला से प्राप्त की। कक्षा 8वीं से 10वीं तक की पढ़ाई गांव के हाईस्कूल में हुई, जबकि 11वीं से स्नातक तक की शिक्षा शंकरराव पाटील महाविद्यालय, भूम में पूरी की। सीमित साधनों के बावजूद शिक्षा के प्रति उनकी लगन कभी कम नहीं हुई।

शिक्षा पूर्ण होने के बाद रोजगार की तलाश में अविनाश पुणे पहुंचे, जहां उन्हें टेल्को कंपनी में अस्थायी नौकरी मिली। हालांकि, उनका मन नौकरी में नहीं रमता था। वे हमेशा कुछ अपना करने का सपना देखते थे। इसी दौरान उन्हें एक कंपनी के साथ वर्कशॉप शुरू करने का अवसर मिला। कुछ पूंजी लगाकर उन्होंने वर्कशॉप की शुरुआत की और लगभग पांच वर्षों तक लगातार अच्छा काम मिला।

लेकिन समय ने फिर करवट ली और वह कंपनी बंद हो गई, जिससे उनकी वर्कशॉप भी बंद करनी पड़ी। एक बार फिर उनके सामने वही प्रश्न खड़ा हुआ—अब आगे क्या ?

कुछ धनराशि लेकर वे गांव लौटे, लेकिन वहां मन नहीं लगा। कुछ नया करने की जिद उन्हें 1997 में बार्शी, जिला सोलापुर ले आई। यहां उन्हें एक पतसंस्था में पिग्मी कलेक्शन का कार्य मिला। अच्छी आमदनी होने लगी, लेकिन कुछ समय बाद वह संस्था भी बंद हो गई।

इसके बाद उन्होंने स्वयं की पतसंस्था शुरू करने का साहसिक निर्णय लिया। जनवरी 2008 में पतसंस्था की स्थापना की, जिसे 2016 तक सफलतापूर्वक चलाया। लेकिन 2016 की नोटबंदी ने इस व्यवसाय को भी गहरा झटका दिया और भारी आर्थिक नुकसान के साथ संस्था बंद करनी पड़ी।

इसके बाद वे जमीन खरीदकर घर और बंगलों के निर्माण व बिक्री के व्यवसाय से जुड़े। लेकिन लेबर समस्याएं, बाजार की मंदी और फिर कोरोना महामारी ने इस क्षेत्र को भी प्रभावित किया। लॉकडाउन के दौरान जब रोजगार के अवसर सीमित हो गए, तभी एक मित्र के सुझाव पर उन्होंने सोलर एनर्जी के क्षेत्र में कदम रखने का निर्णय लिया।

वर्ष 2021 से अविनाश साहेबराव ढगे ने **Samarth Solar Energy** के माध्यम से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य शुरू किया। आज वे कंपनियों, कारखानों, स्कूलों, कॉलेजों और घरों सहित **350 से अधिक सोलर प्रोजेक्ट्स** सफलतापूर्वक स्थापित कर चुके हैं।

वे मानते हैं कि सोलर एनर्जी केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि देशसेवा है। जब किसी ग्राहक का बिजली बिल शून्य हो जाता है और उनके चेहरे पर संतोष की मुस्कान दिखाई देती है, तो वही पल उन्हें सबसे अधिक आत्मिक सुख देता है।

आज उनके इस सफर में उनका बेटा भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है, जबकि उनकी बेटी मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर रही है। उनका सपना है कि उनका बेटा इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बनकर सोलर एनर्जी के क्षेत्र में शोध करे और भारत में सौर क्रांति का हिस्सा बने। वे इस व्यवसाय को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाकर देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखते हैं।

अविनाश साहेबराव ढगे की मेहनत, समर्पण और उपलब्धियों को मान्यता देते हुए उन्हें
“**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**” जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चयनित किया गया है।

यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए जाना जाता है। यह उपलब्धि न केवल अविनाश ढगे के लिए, बल्कि पूरे सोलापुर जिले और महाराष्ट्र क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह में फिल्म जगत की जानी-मानी हस्तियों की उपस्थिति समारोह की शोभा बढ़ाएगी, जिनमें—

- **सुश्री वर्षा उसगांवकर** (बॉलीवुड अभिनेत्री)
- **सुश्री सोनाली कुलकर्णी** (प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री)
- **सुश्री प्रार्थना बेहेरे** (भारतीय अभिनेत्री)

शामिल हैं।

इस कार्यक्रम का आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, संस्थापक एवं सीईओ, **Reseal.in (Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.)** के नेतृत्व में किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों, डिजाइनर्स और क्रिएटिव टैलेंट को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.